

भारत सरकार  
कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या. 1439  
(सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

पीएम इंटरनशिप योजना के तहत युवा रोजगार क्षमता

1439. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा:

क्या कारपोरेट कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री इंटरनशिप योजना के शुभारंभ के बाद से इसके तहत प्रदान किए गए इंटरनशिप अवसरों की कुल संख्या कितनी है, साथ ही स्वीकृत और सफलतापूर्वक पूर्ण की गई इंटरनशिप की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने विशेष रूप से टियर-II और टियर-III शहरों के उम्मीदवारों के बीच युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार लाने पर इस योजना के प्रभाव का मूल्यांकन किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) योजना के तहत महिलाओं और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणियों से संबंधित युवाओं की भागीदारी की सीमा क्या है; और

(घ) क्या इस योजना के माध्यम से प्राप्त कौशल वृद्धि, रोजगार लाभ और क्षेत्र-वार नियुक्तियों का मूल्यांकन करने के लिए किसी महत्वपूर्ण योग्य परिणामों या प्रदर्शन संकेतकों की पहचान की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): पीएमआईएस पायलट प्रोजेक्ट के पहले चरण में, साझेदार कंपनियों ने 1.27 लाख से अधिक इंटरनशिप के अवसर प्रदान किए और अभ्यर्थियों को 82,000 से अधिक इंटरनशिप के प्रस्ताव दिए, जिनमें से 28,000 से अधिक प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

दूसरे चरण के पायलट प्रोजेक्ट में, साझेदार कंपनियों ने 1.18 लाख से अधिक इंटरनशिप के अवसर (पिछले चरण के नए और संशोधित अपूरित अवसर) प्रकाशित किए और उम्मीदवारों को 83,000 से अधिक इंटरनशिप के प्रस्ताव दिए, जिनमें से 24,600 से अधिक प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत दिए गए इंटरनशिप की अवधि 12 महीने है। पहले चरण के तहत इंटरनशिप पूरी करने की तारीखें नवंबर 2025 से मार्च 2026 तक हैं, जबकि दूसरे चरण के तहत इंटरनशिप पूरी करने की तारीखें अप्रैल 2026 से आगे हैं, जो इंटरन के शामिल होने की तारीख पर निर्भर करती हैं। 27.01.2026 तक, पहले चरण के 3417 इंटरन ने इंटरनशिप पूरी कर ली है।

(ख): कारपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) पायलट प्रोजेक्ट के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न हितधारकों से नियमित रूप से प्रतिक्रिया ले रहा है और स्वतंत्र मूल्यांकन अध्ययन कर रहा है, जिसमें द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के अभ्यर्थी शामिल हैं। उपरोक्त प्रक्रिया में, इंटरन ने बताया है कि इंटरनशिप उनके तकनीकी और गैर-तकनीकी कौशल को बढ़ाने, व्यावसायिक अनुभव को बढ़ाने और इस प्रकार रोजगार क्षमता में सुधार करने में मूल्यवान साबित हुई है।

(ग): पायलट प्रोजेक्ट के तहत इंटरनशिप के अवसरों के लिए आवेदन करने वाली अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं और युवाओं की संख्या अनुलग्नक 1 में दी गई है।

(घ): विभिन्न प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) जैसे इंटरनशिप की संख्या, प्राप्त आवेदन, इंटरनशिप प्रस्ताव, शामिल हुए इंटरन, पूर्ण की गई इंटरनशिप आदि की निगरानी के लिए एक समर्पित डैशबोर्ड विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, कंपनियों के लिए पीएमआईएस-पोर्टल पर इंटरन के प्रदर्शन की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट को अपडेट करने का प्रावधान है।

पीएम इंटरनशिप योजना का उद्देश्य उद्योग से संबंधित कौशल को बढ़ाना, रोजगार तत्परता में सुधार करना और भारत की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और संस्थानों में संरचित इंटरनशिप के माध्यम से पेशेवर अनुभव को बढ़ावा देना है, ताकि रोजगार के लिए तैयार और कुशल कार्यबल का निर्माण किया जा सके। इस योजना का उद्देश्य नौकरी का प्रस्ताव देना नहीं है।

**अनुलग्नक I**

दिनांक 09 फरवरी, 2026 को उत्तर को लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1439 का

**अनुलग्नक I**

इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की उन महिलाओं और युवाओं की संख्या का विवरण है जिन्होंने पीएमआईएस के पायलट प्रोजेक्ट के तहत इंटर्नशिप के अवसरों के लिए आवेदन किया है।

आवेदक	राउंड I	राउंड II
महिलाएं	56876	88693
अनुसूचित जाति	28038	33413
अनुसूचित जनजातियाँ	9109	14606
अन्य पिछड़ा वर्ग	86858	102970

\*\*\*\*\*